ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 01-03-2024

भोजपुर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-03-01 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-03-02	2024-03-03	2024-03-04	2024-03-05	2024-03-06
वर्षा (मिमी)	0.0	10.0	15.0	10.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	30.0	31.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	15.0	16.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	80	80	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	40	40	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	7	7	6
पवन दिशा (डिग्री)	270	120	120	280	260
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	8	8	8	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार पक्षिमी विक्षोभ के प्रभाव से 01-06 मार्च के दौरान आसमान में मध्यम बादल छाए रहेंगे एवं 02-03 मार्च की अवधि में मौसम शुष्क रह सकता हैं तत्पश्चात 04-06 मार्च के दौरान हल्की वर्षा होने का अनुमान हैं । • अधिकतम तापमान लगभग 29-32 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 14-17 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है । • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि में 7-8 किमी/घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है । हालांकि 03-04 मार्च के मध्य पूरबा हवा चलने का अनुमान हैं ।

सामान्य सलाहकार:

पूर्वानुमान की अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें। कीटनाशक दवा एवं खाद का छिडकाव मौसम साफ रहने पर हीं करें।

लघु संदेश सलाहकार:

04-06 मार्च के दौरान हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए तैयार सरसों की कटनी तथा दौनी अतिशीघ्र करें एवं खुदाई की गई आलू के कंद हेतु भण्डारण की समुचित व्यवस्था करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
काला चना	गरमा मूंग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। जिन कृषक का खेत बुआई के लिए तैयार है वे वर्षा के बाद बुआई कर सकते है। बुआई के पूर्व 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलो ग्राम स्फूर, 20 किलो ग्राम पोटाश तथा 20 किलो ग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस0एम0एल0-668, एच0यू0एम0-16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-19, पंत उरद-31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20-25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30-35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30x10 से0मी0 रखें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	गरमा सब्जियों की बुआई करें। भिंडी के लिए परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के 0एस0-312 लौकी के लिए राजेन्द्र चमत्कार, पूसा समर प्रौलिफिक लाँग, पूसा समर प्रौलिफिक राउंड प्रभेद अनुशंषित हैं।
केला	केला की सुखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काटकर खेत से बाहर करें जिससे रोग की उग्रता में कमी आयेगी। हल्की गुड़ाई करने के बाद प्रति केला 200 ग्राम यूरिया, 200 ग्राम म्यूरेट आफ पोटाश एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट का प्रयोग आसमान रहने पर ही करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	ठण्ड का मौसम समाप्त होने से गायों एवं बछियों की गर्मी (मद) में आने का समय है। उनके सफल गर्भाधान के लिए पर्याप्त हरा चारा सहित संतुलित आहार एवं ५० ग्राम मिनिरल मिक्सचर प्रतिदिन दें। खुरपका- मुहपका रोग का टीका लगवाएं। जिन पशुओं को जुलाई - अगस्त में टीका लगा है उन्हें भी पुनः टीका लगवाएं। टीका लगवाने से पूर्व अतः एवं बाह्य परजीवी नाशक दवा अवश्य पिलायें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
भूमि की तैयारी	सब्जियों में निकाई-गुड़ाई करें। आसमान साफ रहने पर गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। 150-200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20-30 किलो बालू में मिलाकर व्यवहार आसमान साफ रहने पर ही करें।